Best Practices & Outcomes of Best Practices: 2024-25

Government Degree College Banjar

Distt. Kullu, H.P. (175123)

Best Practices 1:

i. Title of the Practice: Students Voice: A Collaborative Approach to Community Service

Government Degree College Banjar has established a strong tradition of community-centered initiatives through its various awareness, extension, and outreach programs. A number of clubs and societies actively engage students in enhancing social consciousness and addressing key concerns prevalent in rural areas, where diverse communities often remain unaware of issues such as mental health, basic hygiene, gender equality, and class or caste divides. In these settings—where social prejudices persist—students strive to act as agents of positive change. Their sustained extension activities in nearby villages and Banjar town have significantly contributed to improving both the quality of life and the thought processes of the local population, thereby fostering meaningful social transformation.

---

ii. Objectives of the Practice:

The institution aims to create an equitable, progressive, and value-driven society by integrating academic learning with social responsibility. The specific objectives include:

1. **To sensitize students to the diversity, complexities, and challenges of society.**
2. **To create awareness regarding human rights, globalization, gender and caste discrimination.**
3. **To promote girl-child education, women empowerment, health, hygiene, and nutrition.**
4. **To address pressing social issues** such as environmental protection, mental health, drug abuse, and rehabilitation.
5. **To nurture leadership, compassion, empathy, and civic responsibility** among students.

By exposing students to these issues, the college aims to cultivate socially conscious individuals capable of contributing meaningfully to community development.

---

iii. The Context:

Located in a rural and diverse socio-cultural setting, Government Degree College Banjar recognizes the significant gaps in awareness related to mental well-being, hygiene, gender sensitivity, social equality, and environmental concerns. The institution acknowledges its

responsibility to bridge these gaps by engaging students in meaningful community-oriented initiatives.

Students frequently participate in extension activities across nearby villages and Banjar town, where their involvement has contributed to noticeable improvements in community attitudes, social harmony, and the adoption of progressive practices. The college's commitment to community service continues to expand through sustained outreach programmes that strengthen bonds between the institution and the society it serves.

---

iv. The Practice:

Several active clubs and societies—including NSS, NCC, Rovers & Rangers, Red Ribbon Club, Women's Cell, Literary Society, Eco Club, and Eco-Energy Club—spearhead the community service activities under this best practice.

These groups conduct awareness drives and outreach programmes on various critical themes, such as:

- **Beti Bachao–Beti Padhao**
- **Women's safety, gender sensitization, and menstrual hygiene**
- **Environmental protection and climate awareness**
- **Girls' education and women empowerment**
- **Drug abuse and de-addiction counselling**
- **Mental health awareness and positive lifestyle practices**
- **Legal literacy and basic rights**

In addition to awareness programmes, students actively participate in community service tasks such as:

- Repairing and maintaining roads damaged during floods
- Cleaning temple premises and public spaces
- Promoting environmental conservation through plantation drives
- Conducting cleanliness campaigns in market areas and villages

These initiatives offer real-life learning opportunities that help students apply classroom knowledge to social contexts while cultivating empathy, leadership, and problem-solving skills.

---

v. Evidence of Success:

The success of this practice is reflected in the active and enthusiastic participation of students across all clubs and societies. Key indicators of achievement include:

- **A significant increase in the enrollment of girl students**, influenced by continuous awareness efforts promoting girls' education and safety.
- Enhanced student confidence, leadership abilities, and community engagement.
- Improved community awareness regarding social, environmental, and health-related issues.
- Strengthened collaboration between the college and the local community, fostering mutual trust and social upliftment.

These outcomes demonstrate that students have effectively taken on the role of change-makers, contributing to social cohesion and community development.

---

vi. Problems Encountered and Resources Required:

No major challenges were encountered during the execution of these activities, as both staff and students possess a deep understanding of the local geography, cultural context, and community dynamics. The existing institutional resources, combined with community support, were sufficient to conduct the programmes. Occasional logistical constraints were managed effectively through collective participation and coordination.

Evidences:

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधारोपण
अरछंडी में रोपे देवदार के 200 पौधे
बंजार महाविद्यालय के 60 स्वयंसेवियों ने लिया भाग

NEWS TOPICAL LIVE

30 अक्टूबर 2024 बुधवार | सैंज, बंजार, आनी, कुल्लू, मनाली

ये दिवाली माई भारत वाली कार्यक्रम के अन्तर्गत " सेवा से सीखें " मुहिम के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बन्जार में स्वयं-सेवियों द्वारा स्वैच्छिक सेवा का आयोजन :

राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई के सदस्यों का सामुहिक फोटो

मरीज का हाल जानती हुई स्वयं सेविका

न्यूज टॉपीकल लाइव/बंजार/खेमचंद सोनी : राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय बंजार में राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा बुधवार को भारत सरकार के युवा सेवा तथा खेल मंत्रालय द्वारा निर्देशित राष्ट्रीय व्यापी कार्यक्रम " ये दिवाली माई भारत वाली " के अंतर्गत स्थानीय अस्पताल बंजार में स्वयंसेवियों द्वारा अपनी सेवाएं दी गई। यह कार्यक्रम सुबह 10:30 बजे से शुरू किया गया। इसमें सबसे पहले स्वयंसेवियों द्वारा बेस्ट विशेज कार्ड बनाए गए। यह सभी कार्ड स्वयंसेवियों द्वारा मरीज और डॉक्टर की टीम के लिए बनाए गए थे। मरीज के लिए बनाए गए कार्ड में उन्हें दिवाली की शुभकामनाएं और उनके जल्दी स्वस्थ होने की कामना की गई। तथा डॉक्टर के लिए बनाए गए कार्ड में उनका हमारे राष्ट्र सेवा योजना को सहयोग देने के लिए धन्यवाद किया गया। इसके पश्चात स्वयंसेवियों ने मरीजों को फल बांटे व सभी स्वयंसेवियों को अलग-अलग स्थान पर सेवाएं दी गई। कुछ को एक्स-रे रूम के पास और कुछ को डॉक्टर के स्टाफ के साथ और कुछ को लोगों के इंटरव्यू के लिए रखा गया और कुछ को मरीजों की लाइनों को मैनेज करने के लिए रखा गया। ताकि बुजुर्गों को और बच्चों को ज्यादा देर लाइनों में खड़े न रहना पड़े। और कुछ स्वयंसेवियों ने मिलकर सभी मरीजों को फल कार्ड और फूल दिए और उन्हें दिवाली की शुभकामनाएं दी और साथ की उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करते हुए उनकी बीमारियों के बारे में जानकारी ली और उन्हें आश्वासन दिया कि यदि उन्हें किसी भी प्रकार की आवश्यकता हो तो वह स्वयंसेवियों को बता सकते हैं। इसके पश्चात स्वयंसेवियों ने डॉक्टर और स्टाफ सदस्यों को भी फ्रूट और कार्ड देकर उनका सहयोग देने के लिए धन्यवाद किया। साथ ही स्वयंसेवियों ने डॉक्टर का इंटरव्यू लिया जिसमें उन्होंने पूछा कि किस प्रकार मरीज का ख्याल रखा जाता है। इसके पश्चात सभी स्वयंसेवियों ने अपने तीन दिनों के कार्यक्रम का अनुभव छोटी-छोटी वीडियो के माध्यम से बताया। इन तीन दिनों में स्वयंसेवियों ने स्वच्छता यातायात प्रबंधन और सेवा को महत्व दिया और इन तीन विषय पर अपने अलग-अलग कार्यक्रम किया जिनका अनुभव स्वयंसेवियों के लिए ज्ञान को बढ़ाने वाला और नई चीज़ सीखने वाला रहा।

एनएसएस स्वयंसेवियों ने संभाला बंजार बाजार में यातायात प्रबंधन

बंजार (कुल्लू)। राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय बंजार में एनएसएस के स्वयंसेवियों ने बंजार अस्पताल में सेवाएं दीं। एनएसएस प्रभारी डॉ. श्रवण कुमार ने कहा कि सबसे पहले स्वयंसेवियों ने दिवाली की शुभकामनाओं वाले संदेश कार्ड बनाए और उन्हें मरीजों को देकर उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की गई।

इस दौरान स्वयंसेवियों ने मरीज को फल बांटे। इसके बाद स्वयंसेवियों ने बंजार क्षेत्र में यातायात का संचालन किया। उन्होंने कहा कि बंजार में यातायात प्रबंधन के लिए स्वयंसेवियों को क्षेत्र के हिसाब से चार अलग-अलग समूह में विभाजित किया गया। इस दौरान स्वयंसेवियों ने पुलिस के साथ मिलकर ट्रैफिक को नियंत्रित किया। बंजार पुलिस थाना प्रभारी चंद्रशेखर ठाकुर ने कहा कि स्वयंसेवियों को यूपीएससी और आगामी भविष्य के लिए आने वाले अन्य परीक्षाओं तैयारी को लेकर भी जागरूक किया गया। संवाद

बंजार में ट्रैफिक को नियंत्रण करते एनएसएस स्वयंसेवी। -संवाद

राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय बंजार द्वारा बंजार की जिभी घाटी के तांदी गांव के अग्निकांड पीड़ित परिवारों को भावनात्मक सहयोग

सवेरा न्यूज/रमेश

बंजार, 17 जनवरी : राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय बन्जार द्वारा शुक्रवार को बंजार क्षेत्र की जिभी घाटी के तांदी गांव में विगत 1 जनवरी को हुई आगजनी से प्रभावित परिवारों को भावनात्मक सहयोग के रूप में सामूहिक योगदान स्वरुप 22200/- रुपए की राशि प्रदान की गई। इस अग्निकांड में स्थानीय देवता श्री शेषनाग जी के भंडार सहित गांव के कुल 17 घर आग से पूर्णतया नष्ट हो गये तथा 33 परिवार प्रत्यक्ष रूप से इस आपदा से प्रभावित हुए हैं। इस विकट स्थिति में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय बन्जार के 22 स्वयं-सेवियों ने तांदी गांव जाकर प्रभावितों का हालचाल जाना और उनके सुख-दु:ख में शामिल होकर उन्हें इकाई की ओर से उक्त राशि भेंट कर भविष्य में गांव में पुनर्निर्माण कार्यों में क्षमता अनुसार योगदान देने का विश्वास दिलाया। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय बंजार के सत्र 2022-23 के सात दिवसीय विशेष आवासीय शिविर में अकादमिक सत्र में भारतीय रिजर्व बैंक क्षेत्रीय कार्यालय शिमला से उपमहाप्रबंधक श्री पीतांबर अग्रवाल तथा उनके विशेषज्ञ दल ने आकर स्वयं-सेवियों को वित्तीय अनुशीलन, वित्तीय व्यावहार तथा व्यक्तिगत वित्तीय प्रबंधन बारे बहुत महत्वपूर्ण जानकारी दी थी। जिसका व्यावहारिक अभ्यास करते हुए इकाई के स्वयं-सेवियों ने उस समय से अपनी जेब खर्च की राशि से बचाकर हर माह 10-10 रुपए जमा करना शुरू किया था। विगत तीन वर्षों में एकत्र यह राशि आज इकाई द्वारा कार्यक्रम अधिकारी के दिशा निदेशों के तहत अग्निकांड प्रभावितों को वितरित किया गया है।

महा विद्यालय के छात्र अग्निकांड प्रभावित गांव मे राहत राशि प्रदान करने के बाद ग्रामीणो के साथ।

इस संदर्भ में इकाई के कार्यक्रम अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि यह राशि इकाई के पूर्व तथा वर्तमान स्वयं-सेवियों के सामूहिक अंशदान से एकत्रित बंजार क्षेत्र के भाइयों-बहनों व बुजुर्ग लोगों को इकाई की ओर से पवित्र भावना स्वरुप एक सहयोग है। उन्होंने स्वयं-सेवियों की इस भावना को समाज तथा युवाओं के मध्य सद्भावना पूर्ण सम्बन्धों की मिसाल बताते हुए स्वयं-सेवियों को साधुवाद दिया।

Best Practice 2:

i. Title of the Practice: Access to integrated ICT practices to everyone.

Government Degree College Banjar is committed to taking utmost care in ensuring efficient and effective student-centric and time-bound teaching through digital and blended learning, where students have free access to IT, GIS, Language lab & Research Centre in the college. The College has upgraded its IT infrastructure by installing interactive panels and digital lecterns for e-learning, digitalization of library along with subscription to ONOS/INFLIBNET. The outcomes are visible as the students feel at home with ICT enabled facilities and do their on-line activities in the college rather than visiting private center.

ii. Objectives of the Practice:

1. **To enhance teaching–learning quality** by equipping students and faculty with advanced ICT tools and digital learning resources.
2. **To promote transparent and paperless administration** through fully automated systems for admission, fee payment, and office management.
3. **To ensure inclusive access** to ICT facilities for all students, including those from rural and economically weaker sections.
4. **To strengthen digital literacy**, enabling students to compete in a technology-driven global environment.

---

iii. The Context:

With the increasing dependence on digital technologies in the education sector, it has become essential for higher education institutions to integrate ICT into teaching, learning, and administration. Government Degree College Banjar, located in a rural and hilly region, faces challenges related to limited external digital infrastructure and student access to ICT facilities.

Recognizing these realities, the college adopted a comprehensive approach to ICT integration to:

- meet national educational reforms promoting blended learning,
- increase administrative efficiency,
- expand students' access to digital resources, and
- provide skill-based exposure through specialized labs (GIS, Language Lab, Research Centre).

The emphasis was placed on creating an environment where both faculty and students could effectively use ICT tools on a daily basis.

---

iv. The Practice:

The college implemented a series of structured initiatives to create a robust ICT ecosystem:

a) Strengthening ICT Infrastructure

- Installation of **interactive panels** and **digital lecterns** to support e-learning.
- Upgradation of computer systems, operating systems, and essential software.
- College-wide **Wi-Fi access** for faculty, staff, and students.

b) Digital Library and E-Resources

- Complete digitalization of the library.
- Subscription to **ONOS/INFLIBNET** for access to national-level e-resources, e-journals and e-books.

c) Establishment of Specialized ICT Laboratories

- **Language Lab:** Equipped with advanced software to enhance pronunciation, grammar, and communication skills.
- **Research Centre:** With dedicated computers for academic research; accessible to students, faculty, and alumni.
- **GIS Lab:** ICT-enabled lab for Geography students to gain practical knowledge of spatial data analysis and mapping tools.

d) Automated Administrative Systems

- A fully automated **online admission portal**.
- **Online fee payment gateway** integrated with the college website.
- Digital office management system enabling transparent record-keeping and faster administrative processes.

e) Capacity Building and Digital Support

- Regular guidance and demonstrations by faculty encouraging students to utilize e-learning modules.
- ICT-enabled sessions for Career Counseling and Placement Cell using interactive panels, multimedia, and video conferencing.

---

v. Evidence of Success:

- ICT-enabled teaching-learning is now a regular practice across departments.
- Students are actively participating in **online quizzes, assignments, grammar modules, presentations, and project submissions**.

- Teaching-learning materials such as digital presentations, videos, and adaptations of literary texts are used frequently.
- Students increasingly rely on the college's ICT facilities instead of private centers, indicating improved accessibility.
- The **entire admission process was successfully completed online**, reflecting system reliability and user-friendliness.
- Enhanced digital literacy and confidence among first-generation learners and rural students.

---

vi. Problems Encountered and Resources Required:

- **High cost of ICT devices and maintenance** poses financial challenges for the institution.
- Occasional **internet connectivity issues** disrupt online services and academic activities.
- Dependence on external funding sources such as **RUSA** and **Utkrisht Mahavidyalaya Yojana** for ICT expansion.
- Need for continuous training of faculty and staff to keep pace with rapid technological advancements.

Evidences: